चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 08 जुलाई 2026, अंक –305.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

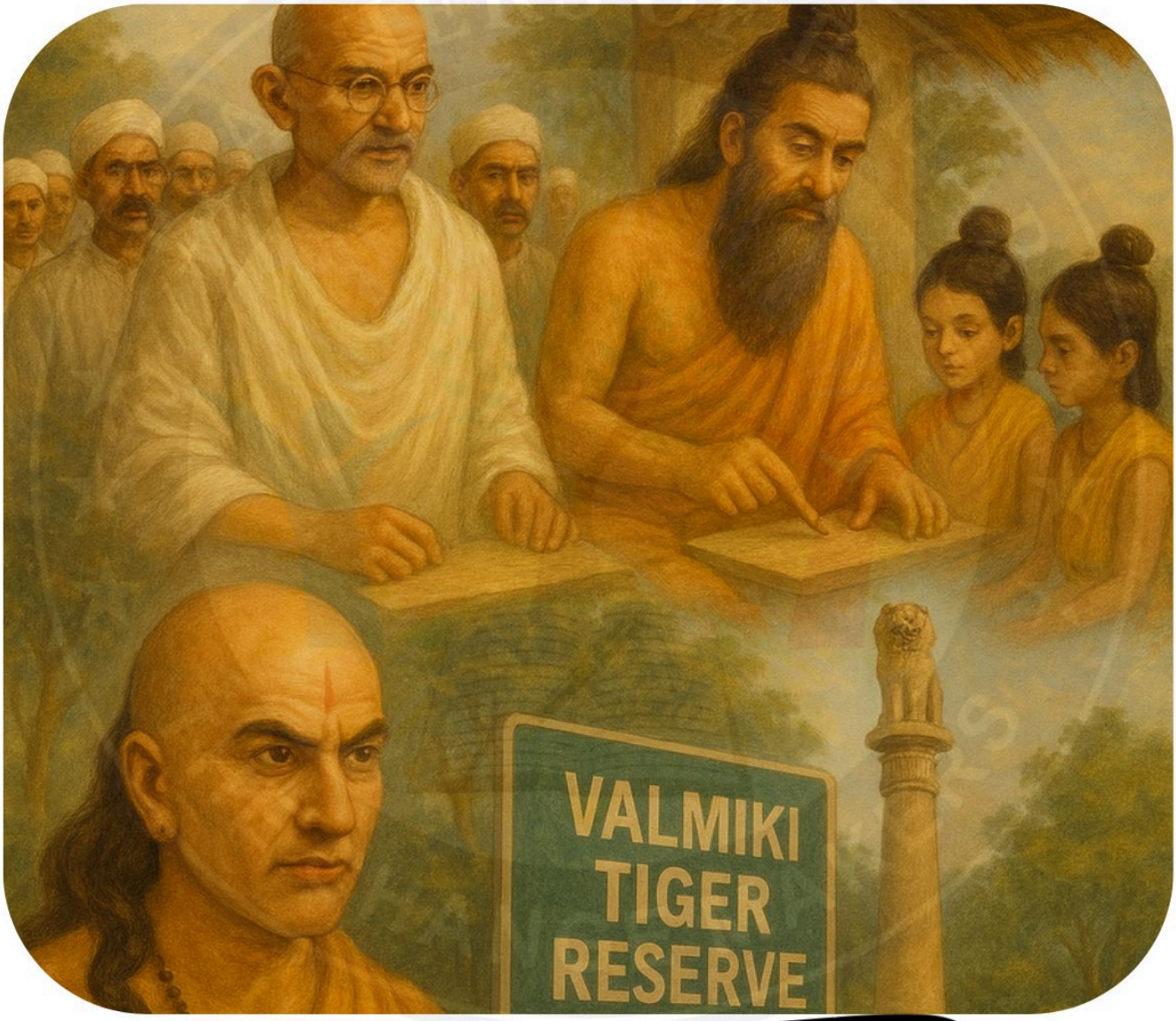

"असंभव शब्द केवल मूर्खों के शब्दकोश में मिलता है।"
— नेपोलियन

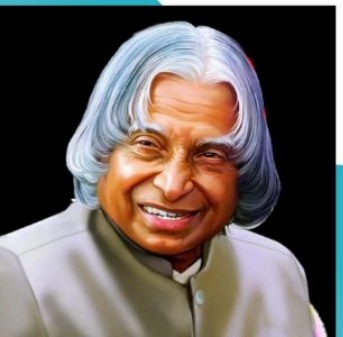

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्पेन की राजधानी क्या है?
उत्तर: मैड्रिड
प्रश्न 2. भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है?
उत्तर: जिम कॉर्बेट
प्रश्न 3. 'राउत नाचा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: छत्तीसगढ़
प्रश्न 4. यदि किसी घन (Cube) की एक भुजा 6 सेमी हो, तो उसका आयतन कितना होगा?
उत्तर: 216 घन सेमी
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. दिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: असम
प्रश्न 7. सिलाई मशीन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: एलियास होवे
प्रश्न 8. भारत के संविधान का कौन-सा भाग मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) से संबंधित है?
उत्तर: भाग 3
प्रश्न 9. 'विद्या' का एक पर्यायवाची शब्द क्या है?
उत्तर: शिक्षा
प्रश्न 10. मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (Gland) कौन-सी है?
उत्तर: यकृत

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Sugar – (शुगर) – चीनी
Salt – (सॉल्ट) – नमक
Rice – (राइस) – चावल
Wheat – (व्हीट) – गेहूँ
Flour – (फ्लावर) – आटा
Oil – (ऑयल) – तेल
Milk – (मिल्क) – दूध

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “मैं ... नहीं सकता/सकती हूँ” (I cannot / I can't ...)

मैं तैर नहीं सकता/सकती हूँ। – I cannot swim.
मैं गाड़ी नहीं चला सकता/सकती हूँ। – I cannot drive.
मैं झूठ नहीं बोल सकता/सकती हूँ। – I cannot tell a lie.
मैं इतना ऊँचा नहीं कूद सकता/सकती हूँ। – I cannot jump so high.
मैं यह प्रश्न हल नहीं कर सकता/सकती हूँ। – I cannot solve this question.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 8 जुलाई को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस
व्याख्या: 8 जुलाई को विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस (World Skin Health Day) मनाया जाता है। यह दिवस त्वचा संबंधी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सूर्य की हानिकारक किरणों से सुरक्षा और स्वस्थ त्वचा बनाए रखने के महत्व पर केंद्रित है। त्वचा मानव शरीर का सबसे बड़ा अंग है जो पर्यावरणीय प्रदूषण, यूवी विकिरण और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होती है। भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देश में त्वचा कैंसर और अन्य समस्याओं की रोकथाम के लिए यह दिवस विशेष महत्व रखता है। विभिन्न स्वास्थ्य संगठन स्क्रीनिंग शिविर, जागरूकता अभियान और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। यह दिवस चिकित्सा विशेषज्ञों को त्वचा स्वास्थ्य पर शोध और उपचार को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है, जिससे समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
संदर्भ: Days of the Year Official Portal / WHO Skin Health Guidelines

प्र.2. जुलाई 2026 में NITI आयोग द्वारा जारी महत्वपूर्ण रोडमैप क्या है?
उत्तर: आयुर्वेद ग्लोबलाइजेशन रोडमैप
व्याख्या: जुलाई 2026 में NITI आयोग ने PwC के सहयोग से "Strategic Roadmap for Making Ayurveda Global" जारी किया। यह दस्तावेज 2047 तक आयुर्वेद को वैश्विक, प्रमाण-आधारित स्वास्थ्य प्रणाली बनाने का चरणबद्ध योजना प्रस्तुत करता है, जो विकसित भारत@2047 विजन से जुड़ा है। इसमें निर्यात बढ़ावा, मानकीकरण, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया गया है। यह भारत की पारंपरिक चिकित्सा को विश्व स्तर पर मजबूत करने, स्वास्थ्य पर्यटन बढ़ाने और आर्थिक विकास में योगदान देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। UPSC/BPSC के लिए यह समसामयिक घटना स्वास्थ्य नीति, सॉफ्ट पावर और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ी है।
संदर्भ: NITI Aayog Official Release, July 2026 / PIB

प्र.3. 'Heart Lamp' पुस्तक की लेखिका कौन हैं?
उत्तर: बनु मुश्ताक
व्याख्या: 'Heart Lamp' कन्नड़ लघुकथा संग्रह की लेखिका बनु मुश्ताक हैं, जिन्हें 2025 में अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिला। यह पुस्तक सामाजिक यथार्थ, स्त्री अनुभव और क्षेत्रीय संस्कृति को चित्रित करती है। अनुवाद दीपा भास्थी द्वारा किया गया। यह क्लासिक और समकालीन दोनों स्तरों पर चर्चित है क्योंकि यह भारतीय साहित्य की विविधता को विश्व पटल पर लाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लेखक-पुस्तक युग्म महत्वपूर्ण होते हैं। यह पुस्तक साहित्यिक उत्कृष्टता और सामाजिक जागरूकता का प्रतीक है, जो पाठकों को क्षेत्रीय भाषाओं की गहराई समझने में सहायक है।
संदर्भ: International Booker Prize 2025 Official Announcement / Sahitya Akademi Records

प्र.4. ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर: ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन
व्याख्या: ग्लोबल वार्मिंग पृथ्वी के औसत तापमान में वृद्धि है, मुख्यतः मानवीय गतिविधियों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन आदि) के कारण। NCERT के अनुसार जीवाश्म ईंधन जलाना, वनों की कटाई और औद्योगिकीकरण मुख्य कारक हैं। इससे समुद्र स्तर बढ़ना, मौसम चरम होना और जैव विविधता ह्रास होता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, वन संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय समझौते (पेरिस समझौता) आवश्यक हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में यह सतत विकास चुनौती है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 8 Science, अध्याय-18 (Pollution and Environmental Issues) / NCERT कक्षा 7 Geography

प्र.5. चंपारण सत्याग्रह का वर्ष क्या है?
उत्तर: 1917
व्याख्या: चंपारण सत्याग्रह 1917 में महात्मा गांधी द्वारा बिहार के चंपारण जिले में शुरू किया गया। यह भारत में गांधीजी का पहला सत्याग्रह था, जिसमें नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण के विरुद्ध संघर्ष किया गया। तिलक, राजेंद्र प्रसाद आदि शामिल थे। यह स्वतंत्रता आंदोलन की नींव रखने वाला महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। NCERT इतिहास में इसे औपनिवेशिक शोषण और अहिंसक प्रतिरोध का उदाहरण माना गया है। इससे भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा मिली।
संदर्भ: NCERT कक्षा 8 History, Our Pasts-III, अध्याय-11 (The Making of the National Movement)

प्र.6. भारत की सबसे लंबी नदी कौन सी है?
उत्तर: गंगा
व्याख्या: गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है जो हिमालय से निकलकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। NCERT भूगोल के अनुसार यह उत्तरी भारत की उपजाऊ मैदानों को सिंचित करती है और सांस्कृतिक-आर्थिक महत्व रखती है। इसकी घाटी में उच्च जनसंख्या घनत्व है। प्रदूषण नियंत्रण (नमामि गंगे) और बाढ़ प्रबंधन चुनौतियां हैं। भूगोल में नदियां कृषि, परिवहन और पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं। गंगा बेसिन विश्व की सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में शामिल है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 Geography, Contemporary India-I, अध्याय-2 (Physical Features of India)

प्र.7. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में कितने शब्द हैं?
उत्तर: 73 शब्द
व्याख्या: भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 73 शब्द हैं, जो संविधान की उद्देश्यपूर्ण भावना को दर्शाती है। इसमें संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य की घोषणा की गई है। 42वें संशोधन द्वारा 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए। NCERT नागरिक शास्त्र में इसे मौलिक मूल्यों (न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व) का स्रोत बताया गया है। यह संविधान की व्याख्या और न्यायिक समीक्षा में आधारभूत है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 8 Political Science, Social and Political Life-III, अध्याय-1 (The Indian Constitution)

प्र.8. प्रकाश का सबसे तेज माध्यम कौन सा है?
उत्तर: निर्वात
व्याख्या: प्रकाश निर्वात में सबसे तेज गति से (लगभग 3 × 10^8 m/s) चलता है। NCERT विज्ञान के अनुसार विभिन्न माध्यमों में गति भिन्न होती है, जैसे कांच या पानी में कम। यह परिघटना अपवर्तन और कुल आंतरिक परावर्तन का आधार है। व्यावहारिक उपयोग ऑप्टिकल फाइबर, दूरबीन आदि में होता है। विज्ञान में यह विद्युत-चुंबकीय तरंगों की प्रकृति समझने में सहायक है। तापमान और माध्यम की घनत्व पर निर्भरता महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7 Science, अध्याय-15 (Light) / कक्षा 10 Science, अध्याय-10 (Light-Reflection and Refraction)

प्र.9. भारत का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य 'कथक' किस राज्य से संबंधित है?
उत्तर: उत्तर प्रदेश
व्याख्या: कथक उत्तर प्रदेश का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है, जिसमें पैरों की झंकार, भाव अभिव्यक्ति और कहानी कहने की कला प्रमुख है। NCERT इतिहास और सामाजिक विज्ञान में इसे मुगल काल की सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक बताया गया है। यह भक्ति आंदोलन और राजसी दरबारों से विकसित हुआ। अन्य नृत्यों (भरतनाट्यम, ओडिसी) के साथ भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। UNESCO द्वारा मान्यता प्राप्त शास्त्रीय नृत्यों में शामिल।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 History, India and the Contemporary World-II / Social Science

प्र.10. बिहार का एकमात्र बाघ अभयारण्य कौन सा है?
उत्तर: वाल्मीकि टाइगर रिजर्व
व्याख्या: वाल्मीकि टाइगर रिजर्व बिहार का एकमात्र टाइगर रिजर्व है, जो पश्चिम चंपारण जिले में स्थित है। यह नेपाल सीमा से सटा है और गंडक नदी क्षेत्र में वन्यजीवों (बाघ, गैंडा, पक्षी) का संरक्षण करता है। NCERT और बिहार GK के अनुसार यह जैव विविधता हॉटस्पॉट है। पर्यावरण संरक्षण, इको-टूरिज्म और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण। बिहार की वन्यजीव संरक्षण नीति का प्रमुख हिस्सा।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 Geography + Bihar GK Official Sources (Bihar Forest Department)

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. जुलाई माह (द्वितीय सप्ताह) के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के थीम 'वज्रपात' (Lightning) के अंतर्गत, आकाशीय बिजली गिरने पर तुरंत क्या करना चाहिए?
उत्तर: संकुचित मुद्रा
व्याख्या: वज्रपात से बचाव के लिए 'संकुचित मुद्रा' (Lightning Crouch) सबसे सुरक्षित स्थिति है। इसमें पैरों को आपस में मिलाकर, घुटनों के बल बैठना, हाथों से कानों को ढंकना और सिर को घुटनों के बीच नीचे झुका लेना चाहिए, ताकि जमीन के संपर्क का क्षेत्र न्यूनतम हो। BSDMA (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के मॉड्यूल के अनुसार, वज्रपात के दौरान खुले मैदान, पेड़, पानी के स्रोत और ऊंचे स्थानों से दूर रहना चाहिए। 25 मीटर के दायरे में बिजली गिरने पर 'स्टेप पोटेंशियल' विद्युत धारा का खतरा होता है, इसलिए पैरों को एक-दूसरे से सटाकर रखना अनिवार्य है।
संदर्भ: BSDMA दिशानिर्देश 2026, मॉड्यूल-4 (वज्रपात सुरक्षा), पृष्ठ-12।

प्र.12. 'मैं वह वस्तु हूँ जो सुबह में चार पैर, दोपहर में दो पैर, और शाम में तीन पैर पर चलती हूँ। मैं कौन हूँ?' इस पहेली में 'सुबह' और 'शाम' किसका प्रतीक है?
उत्तर: जीवन अवस्था
व्याख्या: यह विश्वप्रसिद्ध ग्रीक पहेली (स्फिंक्स की पहेली) है, जिसमें 'सुबह' मानव जीवन की शैशवावस्था (चार पैर - रेंगना), 'दोपहर' युवावस्था (दो पैर - सीधा चलना), और 'शाम' वृद्धावस्था (तीन पैर - लाठी सहायक) का प्रतीक है। इसका उत्तर 'मानव' है। इस पहेली का उद्देश्य बच्चों में जीवन के तीन चरणों (बाल्य, युवा, वृद्ध) की अवधारणा को रूपकात्मक ढंग से समझाना है। यह मौलिक रूप से जीवन दर्शन और आयु-संबंधी शारीरिक परिवर्तनों पर आधारित है। यह पहेली 'सोफोकल्स' के नाटक 'ओडिपस रेक्स' से प्रसिद्ध हुई। यह विश्लेषणात्मक सोच और सांस्कृतिक साहित्य का उत्कृष्ट मिश्रण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा-6 (हिंदी/संस्कृत) पाठ्यक्रम, ग्रीक पौराणिक साहित्य संदर्भ।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

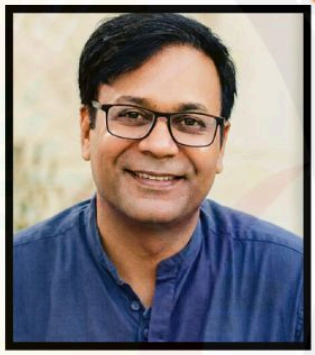

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Affluent (ऐफ्लुएन्ट) = Wealthy (वेल्दी) = समृद्ध / धनी
Antonym – Impoverished (इम्पॉवर्टिश्ड) = निर्धन
Benign (बिनाइन) = Gentle (जेन्टल) = सौम्य / अहानिकर
Antonym – Malignant (मैलिग्नन्ट) = घातक / हानिकारक
Coherent (कोहियरन्ट) = Logical (लॉजिकल) = सुसंगत / तार्किक
Antonym – Incoherent (इनकोहियरन्ट) = असंगत
Dubious (ड्यूबियस) = Questionable (क्वेश्चनेबल) = संदिग्ध / शंकास्पद
Antonym – Certain (सर्टेन) = निश्चित
Eradicate (इरैडिकेट) = Eliminate (इलिमिनेट) = जड़ से समाप्त करना
Antonym – Preserve (प्रिज़र्व) = सुरक्षित रखना / संरक्षित करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Genomics 4.0'; Ministry of Health mandates DNA-based precision tracking for oncology treatments in all AIIMS.

केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-जीनोमिक्स 4.0' की शुरुआत की; स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश के सभी एम्स (AIIMS) अस्पतालों में कैंसर के मरीजों के लिए डीएनए-आधारित प्रिसिजन थेरेपी ट्रैकिंग को अनिवार्य किया, जिससे इलाज अधिक प्रभावी होगा।

Ministry of Petroleum and Natural Gas announces 100% Transition of all Public Transport Buses to Green Hydrogen and EV by 2032 in Metro Cities.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक ऐतिहासिक नीतिगत घोषणा की; 2032 तक देश के सभी मेट्रो शहरों में सार्वजनिक परिवहन की बसों को पूरी तरह से ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक में बदला जाएगा।

ISRO successfully tests 'SlingShot-1' orbital transfer vehicle; slashes cubesat deployment costs by 60% using electro-magnetic propulsion.

इसरो ने 'स्लिंगशॉट-1' ऑर्बिटल ट्रांसफर व्हीकल का सफल परीक्षण किया; विद्युत-चुंबकीय प्रणोदन (Electro-magnetic propulsion) तकनीक का उपयोग करके छोटे उपग्रहों (Cubesats) को उनकी सटीक कक्षा में स्थापित करने की लागत में 60% की कमी आएगी।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'The Orbital Debris Liability Charter'; mandates space debris active-removal fees for private aerospace giants.

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'ऑर्बिटल मलबे उत्तरदायित्व चार्टर' पारित किया; अंतरिक्ष में कचरा बढ़ाने वाली निजी एयरोस्पेस कंपनियों पर अब सक्रिय मलबा हटाने (Active Debris Removal) के लिए विशेष वैश्विक शुल्क लागू किया जाएगा।

BBC News: Cambridge and Kyoto University scientists successfully engineer 'Bio-Synthetic Coral Grids' to revive dying reefs.

बीबीसी न्यूज़: कैंब्रिज और क्योटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने 'बायो-सिंथेटिक कोरल ग्रिड' विकसित किए हैं; ये कृत्रिम ग्रिड समुद्री शैवाल के विकास को तेज करते हैं, जिससे गर्म होते समुद्रों में भी मरती हुई प्रवाल भित्तियों (Coral Reefs) को तेजी से पुनर्जीवित किया जा सकेगा।

WHO issues global warning on 'Microplastic Inhalation Vectors'; releases safety compliance indexes for synthetic textile manufacturers.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सांस के जरिए शरीर में जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स पर वैश्विक चेतावनी जारी की; कृत्रिम कपड़ों (Synthetic textiles) से निकलने वाले सूक्ष्म कणों को रोकने के लिए कपड़ा निर्माताओं के लिए नए वैश्विक सुरक्षा मानक तय।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Smart-Grid and Renewable Distribution HQ' in Gaya to mana micro-grids.

बिहार सरकार गया में 'राज्य स्मार्ट-ग्रिड और नवीकरणीय वितरण मुख्यालय' स्थापित करेगी; इसका उद्देश्य दक्षिण बिहार के ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में चल रहे सोलर माइक्रो-ग्रिड से बिजली की आपूर्ति और ग्रिड स्थिरता की चौबीसों घंटे डिजिटल निगरानी करना है।

SCERT Bihar launches 'Ganit-Pragya 3.0'; integrates practical abacus and Vedic math animations in primary school curriculum.

एससीईआरटी बिहार ने 'गणित-प्रज्ञा 3.0' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत प्राथमिक स्तर पर बच्चों में तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए गणित के पाठ्यक्रम में व्यावहारिक एबाकस (Abacus) और वैदिक गणित के एनिमेटेड डिजिटल मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।

SPORTS NEWS

Indian Shuttler Priyanshu Rajawat wins the 'Taipei Open 2026' Super 300 title; defeats top seed in a thrilling three-game encounter.

भारतीय बैडमिंटन स्टार प्रियांशु राजावत ने ताइपे ओपन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया; फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर बीडब्लूएफ (BWF) खिताब जीता।

International Weightlifting Federation (IWF) introduces 'Smart-Chalk Biometrics' for elite competitions to analyze real-time palm pressure.

अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलक महासंघ ने कुलीन प्रतियोगिताओं के लिए 'स्मार्ट-चाक बायोमेट्रिक्स' तकनीक का परीक्षण किया; खिलाड़ियों द्वारा हाथों पर लगाए जाने वाले इस विशेष चाक पाउडर में नैनो-सेंसर होंगे, जो बारबेल पर ग्रिप के दबाव और संतुलन का रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण के लिए भेजेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"ज्ञान का संचय ही आपकी वास्तविक क्षमता का निर्माण करता है। प्रतिदिन कुछ नया पढ़ें, निरंतर आगे बढ़ें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"एक छोटी-सी सावधानी"

(8 जुलाई – विश्व एलर्जी जागरूकता दिवस विशेष)

विद्यालय की प्रार्थना सभा समाप्त हुई ही थी कि गीता मैडम ने देखा, रोहन बार-बार छींक रहा है। उसकी आँखें लाल थीं और नाक भी बह रही थी।
गीता मैडम ने पूछा, "रोहन, क्या तुम ठीक हो?"

रोहन बोला, "मैडम, जब भी कक्षा में बहुत धूल होती है, मुझे लगातार छींक आने लगती है। कभी-कभी साँस लेने में भी परेशानी होती है।"
गीता मैडम ने पूरी कक्षा को पास बुलाया और बोलीं, "बच्चो, इसे हल्के में मत लो। हर बीमारी बुखार से नहीं होती। कुछ लोगों को धूल, धुआँ, परागकण या कुछ खाद्य पदार्थों से भी एलर्जी हो सकती है।"

इतने में सुनैना बोली, "मैडम, हम तो सोचते थे कि रोहन बहाना बनाता है।"
गीता मैडम मुस्कुराईं और बोलीं, "यही सबसे बड़ी गलती है। बिना जाने किसी का मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। हमें उसकी परेशानी को समझना चाहिए।"
उसी दिन बच्चों ने मिलकर कक्षा की अच्छी तरह सफाई की। खिड़कियाँ खोली गईं, धूल हटाई गई और विद्यालय परिसर को भी स्वच्छ रखा गया। कुछ ही दिनों में रोहन की परेशानी काफी कम हो गई।

गीता मैडम ने कहा, "देखा बच्चों! कभी-कभी किसी की मदद करने के लिए बड़े खर्च की नहीं, छोटी-सी सावधानी और संवेदनशीलता की ज़रूरत होती है।"
उस दिन बच्चों ने केवल एलर्जी के बारे में ही नहीं सीखा, बल्कि यह भी समझा कि स्वच्छ वातावरण केवल सुंदर नहीं बनाता, बल्कि स्वस्थ भी बनाता है।

🌟 प्रेरणा
दूसरों की परेशानी को समझना भी एक अच्छी आदत है।
स्वच्छता, जागरूकता और संवेदनशीलता—ये तीनों मिलकर स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव बनाते हैं।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: सकारात्मक सुदृढ़ीकरण और पुरस्कार (पुनर्बलन) - बनाम दंड

शिक्षक साथियों, जब कक्षा में कोई बच्चा अच्छा काम करता है या इसके विपरीत, कोई अनुशासनहीनता करता है, तो एक शिक्षक के रूप में हमारी तत्काल प्रतिक्रिया क्या होती है? दशकों से यह माना जाता रहा है कि गलती करने पर 'दंड' (Punishment) देना और अच्छा करने पर 'पुरस्कार' (Reward) देना ही बच्चों को सुधारने का एकमात्र तरीका है। लेकिन आधुनिक बाल मनोविज्ञान और बी.एफ. स्किनर जैसे मनोवैज्ञानिकों के शोध बताते हैं कि शारीरिक या मानसिक दंड बच्चों के व्यवहार को सुधारता नहीं, बल्कि उन्हें विद्रोही, भयभीत या चालाक बना देता है। दंड से बच्चा केवल यह सीखता है कि "पकड़े जाने से कैसे बचें।"

इसके विपरीत, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement) एक ऐसी वैज्ञानिक और मानवीय तकनीक है जहाँ हम बच्चे के गलत व्यवहार को कोसने के बजाय, उसके अच्छे व्यवहार को पहचानते हैं और उसे बढ़ावा देते हैं। मनोविज्ञान का एक सीधा नियम है— "आप जिस व्यवहार पर ध्यान देंगे, वही व्यवहार बढ़ेगा।" जब हम बच्चे के सकारात्मक व्यवहार की प्रशंसा करते हैं, तो वह उस व्यवहार को बार-बार दोहराने के लिए प्रेरित होता है।

उदाहरण:

आइए इसे प्राथमिक विद्यालय की एक बहुत ही आम स्थिति से समझते हैं। आपकी कक्षा 4 में 'रोहित' नाम का एक बच्चा है जो अक्सर अपनी कॉपी घर पर भूल आता है या गृहकार्य पूरा नहीं करता।

- दंड का पुराना तरीका: शिक्षक रोहित को पूरी कक्षा के सामने डांटता है, उसे बेंच पर खड़ा कर देता है या हाथ पर छड़ी मारता है। परिणाम यह होगा कि रोहित के मन में स्कूल और शिक्षक के प्रति नफरत बैठ जाएगी। वह अगले दिन डर के मारे स्कूल ही नहीं आएगा या कोई नया बहाना बना लेगा।
- सकारात्मक सुदृढ़ीकरण का नया तरीका: शिक्षक रोहित पर गुस्सा करने के बजाय नज़र रखता है। किसी एक दिन, रोहित अपनी हिंदी की कॉपी लेकर आता है और एक पन्ना ही सही, पर काम करके लाता है। शिक्षक तुरंत पूरी कक्षा के सामने कहता है— "बच्चों, आज रोहित अपनी कॉपी लेकर आया है और उसने बहुत साफ़ काम किया है। इसके इस प्रयास के लिए हम सब मिलकर तालियाँ बजाएंगे।"

पूरी कक्षा तालियाँ बजाती है। रोहित के चेहरे पर एक अनजानी खुशी और गर्व का भाव आता है। उसे उस दिन डांट के डर से नहीं, बल्कि सराहना के आनंद से प्रेरणा मिलती है। अगले दिन वह खुद उत्सुकता से अपना गृहकार्य पूरा करके लाएगा क्योंकि उसे दोबारा वह सम्मान चाहिए। यहाँ शिक्षक ने बिना एक भी छड़ी उठाए, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण के माध्यम से बच्चे का व्यवहार बदल दिया।

शिक्षक साथियों, इस तकनीक का उपयोग करते समय हमें तीन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए:

1. पुरस्कार हमेशा भौतिक न हो: हर बार पेन, पेंसिल या टॉफ़ी देना बच्चे को लालची बना सकता है। सबसे बड़ा पुरस्कार है— शिक्षक की शाबाशी, कक्षा के सामने तालियाँ, या उसकी पीठ थपथपाना।
2. प्रशंसा तुरंत और विशिष्ट हो: केवल "बहुत अच्छे" कहने के बजाय यह कहें कि "रोहित, आज तुमने अक्षरों की बनावट बहुत सुंदर बनाई है।" इससे बच्चे को पता चलता है कि उसने क्या अच्छा किया है।
3. दंड का पूर्ण निषेध: कानूनन (RTE Act Sec 17) और नैतिक रूप से भी बच्चों को शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना देना पूरी तरह प्रतिबंधित है। जब बच्चा गलती करे, तो उसे एकांत में बुलाकर शांत भाव से उसके कारण को समझें और उसे सुधारने का मौका दें।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें बच्चों के भीतर 'डर का चश्मा' हटाकर 'आत्म-अनुशासन' का बीज बोना होगा। दंड केवल तात्कालिक रूप से शांत करता है, लेकिन प्यार और सही व्यवहार का सुदृढ़ीकरण बच्चे के चरित्र को बदल देता है। आज चिंतन कीजिएगा कि आज की कक्षा में आपने कितने बच्चों की छोटी-छोटी अच्छाइयों को पहचानकर उनकी पीठ थपथपाई?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : बेगूसराय, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

बेगूसराय: उत्तर बिहार का औद्योगिक हृदय, गंगा का कछार और कावर झील की पारिस्थितिकी

भौगोलिक, प्रशासनिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बेगूसराय केवल एक जिला नहीं, बल्कि संपूर्ण बिहार का औद्योगिक इंजन (Industrial Engine) और भारी उद्योगों का मुख्य केंद्र है। वर्ष 1972 में मुंगेर से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह जिला मुंगेर प्रमंडल के अंतर्गत गंगा नदी के उत्तरी मैदान में स्थित है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में समस्तीपुर और खगड़िया, पूर्व में खगड़िया और मुंगेर, दक्षिण में पवित्र गंगा नदी के पार पटना और लक्खीसराय तथा पश्चिम में समस्तीपुर जिले को स्पर्श करती हैं। एनएच-31 और बरौनी रेलवे जंक्शन के कारण यह जिला उत्तर, दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत को आपस में जोड़ने वाला एक अनिवार्य सामरिक गलियारा है, जहाँ से बिहार की औद्योगिक और ऊर्जा सुरक्षा नियंत्रित होती है।

इस जिले का संपूर्ण धरातल गंगा, बूढ़ी गंडक, बलान और बैती जैसी नदियों के प्रवाह तंत्र से निर्मित हुआ है। जिले की दक्षिणी सीमा पर बहने वाली गंगा नदी यहाँ की जीवनरेखा है, जो अपने पीछे विस्तृत 'दियारा' भूमि (Floodplains) छोड़ जाती है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से चूना-युक्त दोमट (बलसुंदरी) और नवीन जलोढ़ (खादर) मिट्टी का एक अत्यंत समृद्ध मिश्रण है। भू-वैज्ञानिक रूप से गंगा के इन कछारों में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों की प्रचुरता पाई जाती है, जो इसे बिना किसी अत्यधिक रासायनिक इनपुट के भी रबी की फसलों—विशेष रूप से मक्का, गेंहू, दलहन (चना, मसूर) और तेलहन के लिए असाधारण रूप से उपजाऊ बनाती है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी और वैश्विक पहचान यहाँ स्थित कावर झील (Kanwar Lake Bird Sanctuary) है। एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की गोखुर झील (Oxbow Lake) और बिहार का पहला रामसर स्थल (Ramsar Site) होने का गौरव प्राप्त यह आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी (Wetland Ecosystem) का एक अद्भुत चमत्कार है। बूढ़ी गंडक नदी के परित्यक्त मार्ग से बनी यह झील सर्दियों के मौसम में साइबेरिया, मंगोलिया और रूस से आने वाले हजारों किलोमीटर दूर के दुर्लभ प्रवासी पक्षियों (जैसे यूरेशियन कूट, लालसर) का आश्रय स्थल बनती है। पर्यावरण, मत्स्य पालन और स्थानीय भू-जल पुनर्भरण की दृष्टि से कावर झील उत्तर बिहार का एक अमूल्य प्राकृतिक स्पंज और शोध का अंतरराष्ट्रीय केंद्र है।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है। इस विशिष्ट जलवायु और गंगा के दियारा क्षेत्र की मिट्टी के कारण बेगूसराय का मक्का उत्पादन और उसकी प्रति हेक्टेयर उत्पादकता देश में कीर्तिमान स्थापित करती है। इसके साथ ही, बछवाड़ा और तेघड़ा के बेल्ट में होने वाली हरी मिर्च और केले की व्यावसायिक बागवानी यहाँ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत नकदी तरलता प्रदान करती है। परंतु, इस औद्योगिक और प्राकृतिक समृद्धि के साथ बेगूसराय को प्रत्येक वर्ष मानसून के दौरान गंगा और बूढ़ी गंडक के उफान से निचले दियारा क्षेत्रों में भीषण बाढ़ और भू-कटाव की गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है, जिससे संघर्ष करते हुए यहाँ का समाज निरंतर आगे बढ़ता है।

अंततः, बेगूसराय का यह प्रथम भौगोलिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ का भूगोल भारी उद्योगों की चिमनियों के धुएं और कावर झील के शांत जल का एक अनूठा, विरोधाभासी लेकिन संतुलित कोलाज है। बरौनी के औद्योगिक परिदृश्य से लेकर कावर झील के पक्षी कलरव तक, और गंगा के दुर्गम दियारा टापुओं से लेकर मक्के के लहलहाते खेतों तक—यह जिला बिहार की आर्थिक और प्राकृतिक रीढ़ है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बेगूसराय के इस नदी-तंत्र, रामसर स्थल की पारिस्थितिकी और औद्योगिक-कृषि भूगोल का यह प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण बिहार की नदी-घाटी आर्थिकी और औद्योगिक पर्यावरण प्रबंधन को समझने की एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

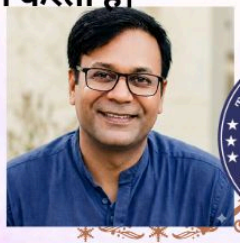

🙏 भावभीनी विदाई एवं कृतज्ञता ज्ञापित 🙏

"विदाई तो केवल एक दस्तूर है, आपके कार्यों की महक इस चम्पारण की माटी में सदा जीवित रहेगी!"
यह समय पश्चिमी चम्पारण, बेतिया के संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए अत्यंत भावुक और हृदय को भारी कर देने वाला है। हमारे मार्गदर्शक, अत्यंत लोकप्रिय और चम्पारण के कोने-कोने में शिक्षा की अलख जगाने वाले आदरणीय जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री रवींद्र कुमार सर को हम सभी आज नम नयनों से विदाई दे रहे हैं।

"सौम्यता जिनकी पहचान रही, सहजता जिनका व्यवहार था,
हर शिक्षक के दिल में बसने वाला, वो चम्पारण का गौरव आधार था।"

अमिट छाप और बेमिसाल कार्यशैली:

श्री रवींद्र कुमार सर का कार्यकाल चम्पारण के इतिहास में एक 'स्वर्णिम अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा। शिक्षा जगत में ऐसे प्रशासनिक अधिकारी बिरले ही देखने को मिलते हैं जिन्होंने पद की गरिमा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखा।

सुलभता और सहजता: आपकी सबसे बड़ी खूबी आपकी सुलभता रही। ज़िले का साधारण से साधारण शिक्षक या कर्मचारी भी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी समस्याओं को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हो सकता था। आपने कभी किसी को निराश नहीं किया।

शिक्षकों के दिलों में वास: अपनी सौम्यता और बेहतरीन कार्यशैली से आपने केवल दफ्तर नहीं चलाया, बल्कि चम्पारण के हज़ारों शिक्षक-शिक्षिकाओं के दिलों में एक पारिवारिक सदस्य की तरह अपनी जगह बनाई है।

सकारात्मक नेतृत्व: मुश्किल से मुश्किल विभागीय चुनौतियों को भी मुस्कुराते हुए और शांत रहकर सुलझाना आपकी विशिष्ट कला रही है, जिसने पूरे जिले के शैक्षणिक वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

💔

आदरणीय सर, प्रशासनिक नियमों के तहत आपका स्थानांतरण भले ही हमें आपसे शारीरिक रूप से दूर कर रहा है, परंतु आपके द्वारा किए गए सुधार, आपकी सादगी और आपका स्नेह हमेशा चम्पारण की पाठशालाओं में मार्गदर्शक बनकर जीवित रहेगा। आपके विदाई के इस क्षण पर शब्द कम पड़ रहे हैं और हर आँख नम है।

🤲 मंगलकामनाएं एवं सादर आभार

चम्पारण का समस्त शिक्षा परिवार आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार प्रकट करता है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपका आगामी जीवन और नई ज़िम्मेदारी का कार्यकाल सफलता, उत्तम स्वास्थ्य और असीम आनंद से परिपूर्ण हो। आप जहाँ भी जाएँ, अपनी कार्यकुशलता से सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

चम्पारण की ऐतिहासिक धरा से आपको सादर प्रणाम, नमन और भावभीनी विदाई!

शैलेन्द्र...!🙏🙏🙏

हार्दिक अभिनंदन एवं आत्मीय स्वागत

"अनुभव के संचित आलोक और कुशल नेतृत्व का ऐतिहासिक पुनरागमन!"

अत्यंत हर्ष, गौरव और उल्लास का विषय है कि पश्चिमी चम्पारण, बेतिया की पावन ऐतिहासिक धरा पर शिक्षा जगत को एक नया संबल, एक नई ऊर्जा और एक दूरदर्शी विज़न देने के लिए आदरणीय श्री राजन कुमार जी का जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में पुनरागमन हो रहा है। कार्यकुशलता जिनकी विशिष्ट पहचान है और शिक्षा का सर्वांगीण संवर्धन जिनका परम ध्येय है, ऐसे कर्मठ, न्यायप्रिय एवं संवेदनशील शिक्षा सारथी का बेतिया की इस महान भूमि पर चम्पारण शिक्षा परिवार कोटि-कोटि अभिनंदन करता है।

श्री राजन कुमार जी हमारे ज़िले के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। पूर्व में भी इस ज़िले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) के रूप में स्थापना, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन योजना), माध्यमिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग में दी गई आपकी शानदार, पारदर्शी और ऐतिहासिक सेवाएँ आज भी हर शिक्षक, शिक्षिका और छात्र के मानस पटल पर अमिट रूप से अंकित हैं। शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, प्रशासनिक सुगमता और धरातल पर कल्याणकारी सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ उतारने की आपकी अनूठी कला और अनुकरणीय योगदान हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है।

चम्पारण से विदा होने के उपरांत भी आपकी कर्मठता और विजय-यात्रा अनवरत जारी रही। कैमूर और गोपालगंज जैसे महत्वपूर्ण जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) के रूप में आपका कार्यकाल अत्यंत गौरवशाली और उपलब्धियों से भरा रहा। कैमूर में जहाँ आपने अपने प्रशासनिक कौशल से शैक्षणिक अनुशासन की नई इबारत लिखी, वहीं गोपालगंज में बुनियादी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों के आधुनिकरण और शिक्षक-हितों की त्वरित रक्षा के लिए आपके द्वारा किए गए अभिनव प्रयोगों की गूंज आज भी पूरे राज्य के शिक्षा जगत में सुनाई देती है। इन दोनों जिलों को विकास के शीर्ष पायदान पर पहुँचाने का आपका समृद्ध अनुभव अब हमारे चम्पारण को मिलने जा रहा है।

आपका पुनः इस ज़िले में शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के रूप में आना इस बात का अकाट्य साक्ष्य है कि पश्चिमी चम्पारण में शिक्षा व्यवस्था अब प्रगति के एक नए और स्वर्णिम युग में प्रवेश करने जा रही है। हमें आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके इस नए और ऊर्जावान कार्यकाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन, निपुण भारत मिशन और बुनियादी साक्षरता के लक्ष्यों को एक तीव्र और नई गति प्राप्त होगी। आपके कुशल मार्गदर्शन में विद्यालयों का परिवेश और अधिक सुदृढ़, अनुशासित, पारदर्शी तथा छात्र-केंद्रित बनेगा, जिससे हमारे नौनिहालों का भविष्य सुरक्षित होगा।

इस नव-आगमन पर संपूर्ण शिक्षक समाज, शिक्षिकाएं, शिक्षाविद् और समस्त चम्पारण वासी आपके कुशल समन्वय, संवेगात्मक नेतृत्व और बेदाग प्रशासनिक छवि पर गर्व महसूस करते हुए अपनी असीम शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि आपके दिशा-निर्देशन में बेतिया शिक्षा के क्षेत्र में बिहार राज्य में ही नहीं, अपितु देश के मानचित्र पर अपनी एक विशिष्ट और गौरवशाली पहचान स्थापित करेगा। चम्पारण की इस ऐतिहासिक, पावन एवं क्रांतिकारी धरा पर आपका पुनः हृदय की असीम गहराइयों से सादर अभिनंदन, वंदन और स्वागत है!

विनीत:
समस्त शिक्षक वृन्द एवं शिक्षा परिवार
पश्चिमी चम्पारण, बेतिया (बिहार)

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org